No. of Printed Pages : 7

EHI-05

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2011

05807

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-05 : INDIA FROM MID-18th CENTURY TO MID-19th CENTURY

Time : 3 hours | *Maximum Marks : 100*
(Weightage 70%)

Note : *The question paper has three sections. The students have to attempt* ***any two*** *questions in about* ***500*** *words each from* ***Section-I,*** ***any four*** *questions in about* ***250*** *words each from* ***Section-II*** *and* ***two*** *short notes in about* ***100*** *words each from* ***Section-III.*** *The marks are mentioned against each question.*

SECTION - I

1. What was the structure and pattern of European trade ? Did it undergo a change with rise of industrial capitalism ? 20

2. Write a critical note on economic impact of colonial rule. 20

3. What were the different trends of education policy in the 18th and 19th centuries ? Did the Indians respond uniformly to this debate ? 20

4. Analyse the nature of popular uprisings before 1857 and their significance. 20

SECTION - II

5. Critically analyse the role of war and militarization in the context of Mysore. 12

6. Discuss the features of the Mahalwari system. 12

7. Analyse the effects of commercialization of agriculture. 12

8. Discuss the development of prose in vernacular languages. 12

9. Write in brief on the orientalists and the utilitarians. 12

10. Explain the socio-religions reforms initiated by Raja Rammohon Roy. 12

11. Write a note on various forms of social discriminations prevailing in India in the 19th century. 12

12. Was the Revolt of 1857 a mass movement ? 12

SECTION - III

13. Write short notes on **any two** of the following in about **100** words each : **6+6=12**

(a) Regulating Act of 1773

(b) Anandamath

(c) Hali Pratha in Gujarat

(d) Romanticism

ई.एच.आई. - 05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
जून, 2011
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास
ई.एच.आई.-05 : 18 वीं शताब्दी के मध्य से 19 वीं शताब्दी के मध्य तक का भारत

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *इस प्रश्न पत्र में **तीन खण्ड** हैं। विद्यार्थियों को **खण्ड - I** में से **कोई दो** प्रश्न (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) **खण्ड - II** में से **कोई चार** प्रश्न (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) तथा **खण्ड - III** में से **दो** संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।*

खण्ड - I

1. यूरोपीय व्यापार की संरचना तथा पैटर्न क्या था ? क्या औद्योगिक पूंजीवाद के उदय के साथ इसमें परिवर्तन आए ? 20

2. औपनिवेशिक शासन के आर्थिक प्रभावों पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए। 20

3. 18-19वीं शताब्दियों में शिक्षा नीति की विभिन्न अवधारणाएँ क्या थीं ? क्या इस विवाद पर भारतीयों की एकरूप प्रतिक्रिया थी ? 20

4. 1857 से पूर्व के जन-आन्दोलनों की प्रकृति तथा उसके महत्व का विश्लेषण कीजिए। 20

खण्ड - II

5. मैसूर राज्य के संदर्भ में युद्ध तथा सैन्यीकरण की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 12

6. महलवारी व्यवस्था की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 12

7. कृषि के व्यवसायीकरण के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 12

8. देशी भाषाओं में पद्य के विकास की चर्चा कीजिए। 12

9. प्राच्यवादियों तथा उपयोगितावादियों के विषय में संक्षेप में लिखिए। 12

10. राजा राममोहन रॉय द्वारा प्रवर्तित सामाजिक-धार्मिक सुधारों की व्याख्या कीजिए। 12

11. उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में प्रचलित सामाजिक भेदभावों के विभिन्न स्वरूपों पर एक टिप्पणी लिखिए। 12

12. क्या 1857 का विद्रोह एक जन-आन्दोलन था? 12

खण्ड - III

13. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर लगभग **100** शब्दों में (प्रत्येक) टिप्पणियाँ लिखिए : **6+6=12**

(a) 1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट

(b) आनन्दमठ

(c) गुजरात में ***हाली*** प्रथा

(d) स्वच्छन्दतावाद (Romanticism)